License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

श्रेष्ठगीत 1:1

श्रेष्ठगीत का लेखक कौन है?

श्रेष्ठगीत का लेखक सुलैमान है।

श्रेष्ठगीत 1:2

युवती अपने प्रेमी को क्या करने के लिए कहती है?

युवती अपने प्रेमी को उसके मुँह के चुम्बनों से उसे चूमने के लिए कहती है।

श्रेष्ठगीत 1:2 (#2)

युवती किसे दाखमधु से उत्तम कहती है?

युवती उसके प्रेमी के प्रेम को दाखमधु से उत्तम कहती है।

श्रेष्ठगीत 1:3

युवती क्या कहती है कि उसके प्रेमी का नाम किसके तुल्य है?

युवती कहती है कि उसका नाम उण्डेले हुए इत्र के तुल्य है।

श्रेष्ठगीत 1:4

राजा उस युवती को कहाँ ले आया है?

राजा उस युवती को अपने महल में ले आया है।

श्रेष्ठगीत 1:5

युवती अपनी त्वचा का वर्णन कैसे करती हैं?

युवती अपनी त्वचा का वर्णन करते हुए कहती है कि वह काली है, परन्तु केदार के तम्बुओं के और सुलैमान के पर्दों के तुल्य सुन्दर है।

श्रेष्ठगीत 1:6

वह क्यों नहीं चाहतीं कि अन्य स्त्रियाँ उसे घूरें?

वह नहीं चाहतीं कि अन्य स्त्रियाँ उसे घूरें क्योंकि वह साँवली है।

श्रेष्ठगीत 1:6 (#2)

जब युवती के भाई उससे अप्रसन्न हुए, तब उन्होंने क्या किया?

उन्होंने युवती को दाख की बारियों की रखवालिन बनाया।

श्रेष्ठगीत 1:7

स्त्री अपने प्रेमी से क्या पूछती है?

वह उससे पूछती है कि वह अपनी भेड़-बकरियाँ कहाँ चराता है और दोपहर को वह उन्हें कहाँ बैठाता है।

श्रेष्ठगीत 1:8

उसका प्रेमी कैसे कहता है कि युवती उसे पा सकती है?

वह उनसे कहता है कि वह भेड़-बकरियों के खुरों के चिन्हों पर चलके चरवाहों के तम्बुओं के पास जाए।

श्रेष्ठगीत 1:9

युवती का प्रेमी उसकी तुलना किससे करता है?

वह उसकी तुलना फ़िरौन के रथों में से एक घोड़ी से करता है।

श्रेष्ठगीत 1:10

उनके प्रेमी का कहना है कि उसके गालों और कण्ठ पर क्या है?

वह कहता है कि केशों के लटें उसके गाल पर हैं और हीरों की लड़ियां उसके कण्ठ पर हैं।

श्रेष्ठगीत 1:11

उसका प्रेमी क्या कहता है कि वह उसके लिए बनाएगा?

वह कहता है कि वह उनके लिए चाँदी के फूलदार सोने के आभूषण बनाएगा।

श्रेष्ठगीत 1:12

जब स्त्री की जटामासी की सुगन्ध फैल रही थी, तब राजा कहाँ बैठा था?

जब स्त्री की जटामासी की सुगन्ध फैल रही थी, तब राजा अपनी मेज के पास बैठा था।

श्रेष्ठगीत 1:13

उसका प्रेमी रात कहाँ बिताता है?

उसका प्रेमी उसके छातियों के बीच पड़ा हुआ रात बिताता है।

श्रेष्ठगीत 1:14

युवती अपने प्रेमी की तुलना किससे करती है?

उसका प्रेमी एनगदी की दाख की बारियों के अंगूर के बागों में मेंहदी फूलों के गुच्छे के समान है।

श्रेष्ठगीत 1:15

उसका प्रेमी उसकी आँखों का वर्णन कैसे करता है?

वह कहता है कि उसकी आँखें कबूतरी जैसी हैं।

श्रेष्ठगीत 1:16

स्त्री क्या कहती है कि उनका बिछौना कैसा है?

स्त्री कहती है की उनका बिछौना हरा है।

श्रेष्ठगीत 1:17

स्त्री क्या कहती है कि घर के धरन और छत की कड़ियाँ किस वस्तु से बने हैं?

घर के धरन और छत की कड़ियाँ देवदार और सनोवर के वृक्षों से बने हैं।

श्रेष्ठगीत 2:1

स्त्री ने स्वयं को कैसे वर्णित किया?

उसने स्वयं को शारोन का गुलाब और तराइयों का सोसन फूल वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 2:2

पुरुष क्या कहता है कि उसकी प्रिय अपने युवतियों के बीच में कैसी थी?

उसने कहा कि वह कटीले पेड़ों के बीच सोसन फूल के समान थी।

श्रेष्ठगीत 2:3

स्त्री ने अपने प्रेमी को जवानों में कैसे वर्णन किया?

स्त्री ने अपने प्रेमी की तुलना जंगल के वृक्षों के बीच में सेब के पेड़ से की।

श्रेष्ठगीत 2:3 (#2)

स्त्री कहाँ बैठी थी?

वह उसकी छाया में हर्षित होकर बैठ गई।

श्रेष्ठगीत 2:3 (#3)

उसे क्या मीठा लगा?

उसका फल उसे खाने में मीठा लगा।

श्रेष्ठगीत 2:4

उसका युवक उसे कहाँ ले आया?

उसका युवक उसे भोज के घर में ले आया।

श्रेष्ठगीत 2:4 (#2)

उसके ऊपर उसका झण्डा क्या था?

उसके ऊपर उसका झण्डा प्रेम था।

श्रेष्ठगीत 2:5

युवती अपने आप को सहारा देने और ताजा करने के लिए क्या चाहती थी?

युवती चाहती थी कि किशमिश उसे सम्भाले रखे और सेब उसे ताजा करे।

श्रेष्ठगीत 2:6

युवक के बायाँ और दायाँ हाथ कहाँ थे?

उनका बायाँ हाथ उसके सिर के नीचे था और उनका दायाँ हाथ उसे आलिंगन कर रहा था।

श्रेष्ठगीत 2:7

युवती क्या चाहती थी कि यरूशलेम की पुत्रियाँ किससे सावधान रहें?

युवती चाहती थी कि यरूशलेम की पुत्रियाँ सही समय आने से पहले प्रेम को न उकसाएं।

श्रेष्ठगीत 2:8

युवती ने किसका शब्द सुना?

युवती ने अपने प्रेमी का शब्द सुना।

श्रेष्ठगीत 2:8 (#2)

उसने क्या कहा कि उसका प्रेमी क्या कर रहा था?

वह पहाड़ों पर कूदता और पहाड़ियों को फान्दता हुआ आता है।

श्रेष्ठगीत 2:9

उसने क्या कहा कि उसका प्रेमी कैसा था?

उसने कहा कि उसका प्रेमी चिकारे या जवान हिरन के समान था।

श्रेष्ठगीत 2:10

उसका प्रेमी उससे क्या चाहता था कि वह उसके साथ क्या करे?

वह चाहता था कि वह उठे और उसके साथ चले।

श्रेष्ठगीत 2:11

उसने क्या कहा कि क्या जाती रही, और क्या हो चुकी और जाती रही है?

उसने कहा कि सर्दी जाती रही और वर्षा भी हो चुकी और जाती रही है।

श्रेष्ठगीत 2:12

पृथ्वी पर क्या दिखाई देता है?

पृथ्वी पर फूल दिखाई देते हैं।

श्रेष्ठगीत 2:12 (#2)

यह समय क्या था?

यह समय छंटाई और चिड़ियों के गीत सुनने का था।

श्रेष्ठगीत 2:13

क्या पकने लगा और क्या फूल रही है?

अंजीर पकने लगे हैं, और दाखलताएँ फूल रही हैं।

श्रेष्ठगीत 2:13 (#2)

उसके प्रेमी ने अपनी सुन्दरी को क्या करने के लिए कहा?

वह चाहता था कि वह उठकर चली आए।

श्रेष्ठगीत 2:14

उसका प्रेमी उसे क्या कहता है?

उसका प्रेमी उसे कबूतरी कहता है।

श्रेष्ठगीत 2:14 (#2)

उसका प्रेमी क्या देखना और सुनना चाहता है?

उसका प्रेमी उसका मुख देखना और उसके बोल सुनना चाहता है।

श्रेष्ठगीत 2:15

स्त्री क्या चाहती थी कि वह पकड़े?

स्त्री चाहती थी कि वह उन छोटी लोमड़ियों को पकड़ें जो दाख की बारियों को बिगाड़ती हैं।

श्रेष्ठगीत 2:16

स्त्री का प्रेमी किसका था?

उसका प्रेमी उसी का था।

श्रेष्ठगीत 2:16 (#2)

वह स्त्री किसकी थी?

वह अपने प्रेमी की थी।

श्रेष्ठगीत 2:16 (#3)

उसका प्रेमी सोसन के बीच क्या करता था?

वह अपनी भेड़-बकरियाँ सोसन फूलों के बीच में चराता था।

श्रेष्ठगीत 2:17

वह अपने प्रेमी से क्या चाहती थी?

वह चाहती थी कि उसका प्रेमी उससे दूर पहाड़ों पर फिरता रहे।

श्रेष्ठगीत 2:17 (#2)

वह कब चाहती है की उसका प्रेमी फिरता रहे?

वह चाहती थी कि उसका प्रेमी जब तक दिन ठंडा न हो और छाया लम्बी होते-होते मिट न जाए तब तक पहाड़ों पर फिरता रहे।

श्रेष्ठगीत 2:17 (#3)

वह क्या चाहती थी कि वह कैसा हो?

वह चाहती थी कि वह उस चिकारे या जवान हिरन के समान बन जाए जो बेतेर के पहाड़ों पर फिरता है।

श्रेष्ठगीत 3:1

वह स्त्री किसको ढूँढ़ती रही, परन्तु उसे न पा सकी?

वह स्त्री अपने प्राणप्रिय को ढूँढ़ती रही, परन्तु उसे न पा सकी।

श्रेष्ठगीत 3:2

स्त्री ने सड़कों और चौकों में किसको ढूँढा, परन्तु न पाया?

स्त्री ने सड़कों और चौकों में प्राणप्रिय को ढूँढा, परन्तु न पाया।

श्रेष्ठगीत 3:3

जब पहरुए उस स्त्री से मिले, तो उसने उनसे क्या पूछा?

उसने उनसे पूछा, "क्या तुम ने मेरे प्राणप्रिय को देखा है?"

श्रेष्ठगीत 3:4

उसने अपने प्राणप्रिय को कब पाया?

नगर के पहरुओ के पास से आगे बढ़े थोड़े ही देर हुई थी कि उसने अपने प्राणप्रिय को पाया।

श्रेष्ठगीत 3:4 (#2)

उसने अपने प्राणप्रिय के साथ क्या किया?

उसने उसको पकड़ लिया, और उसको जाने न दिया जब तक कि वह उसे अपनी माता के घर में न ले आई।

श्रेष्ठगीत 3:5

स्त्री यरूशलेम की पुत्रियों से क्या शपथ चाहती थी?

स्त्री चाहती थी कि यरूशलेम की पुत्रियाँ यह वचन दें कि वे उचित समय से पहले प्रेम को न उकसाएंगी और न ही उसे जगाएँगी।

श्रेष्ठगीत 3:6–7

युवती ने जंगल से क्या आते हुए देखा जो गन्धरस, लोबान और सब भाँति की बुकनी से सुगन्धित था?

उसने सुलैमान की पालकी को आते हुए देखा, जिसके चारों ओर इस्राएल के शूरवीरों में के साठ वीर थे।

श्रेष्ठगीत 3:8

वीर किसमें निपुण थे?

वीर तलवार बाँधनेवाले और युद्ध विद्या में निपुण थे।

श्रेष्ठगीत 3:9

राजा सुलैमान ने अपने लिए क्या बनवा लिया?

राजा सुलैमान ने लबानोन के काठ से एक बड़ी पालकी बनवा ली।

श्रेष्ठगीत 3:10

राजा सुलैमान की पालकी कैसी दिखाई देती थी?

पालकी के खंभे चाँदी के थे, सिरहाना सोने का, गद्दी बैंगनी रंग से बनी थी, और इसे प्रेमपूर्वक सजाकर आरामदायक बनाया गया था।

श्रेष्ठगीत 3:11

युवती क्या चाहती थी कि यरूशलेम की स्त्रियाँ किस पर दृष्टि करें?

वह चाहती थी कि वे राजा सुलैमान पर दृष्टि करें।

श्रेष्ठगीत 3:11 (#2)

राजा सुलैमान ने अपने विवाह के दिन क्या पहना था?

उन्होंने एक मुकुट पहना था जिसे उनकी माँ ने उनके विवाह के दिन उन्हें पहनाया था।

श्रेष्ठगीत 4:1

स्त्री के प्रेमी ने उसकी आँखों का वर्णन किस प्रकार किया?

उसकी आँखें उसकी लटों के बीच में कबूतरों के समान दिखाई देती है।

श्रेष्ठगीत 4:1 (#2)

स्त्री के प्रेमी ने उसके बालों का वर्णन किस प्रकार किया?

उसके बाल गिलाद पहाड़ के ढाल पर लेटी हुई बकरियों के झुण्ड के सामान थे।

श्रेष्ठगीत 4:2

उसके प्रेमी ने उसके दाँतों का वर्णन कैसे किया?

उनके दाँत उन ऊन कतरी हुई भेड़ों के झुण्ड के समान हैं, जो नहाकर ऊपर आई हों, जो जोड़े में थे और कोई भी गायब नहीं था।

श्रेष्ठगीत 4:3

स्त्री के प्रेमी ने उसके होंठों और मुँह के बारे में क्या कहा?

उसने कहा कि उसके होंठ लाल रंग की डोरी के समान हैं और उसका मुँह मनोहर है।

श्रेष्ठगीत 4:3 (#2)

स्त्री के प्रेमी ने उसके कपोल का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके कपोलों को उसके लटों के नीचे अनार की फाँक के समान बताया।

श्रेष्ठगीत 4:4

स्त्री के प्रेमी ने उसकी गले का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके गले को दाऊद के मीनार के समान वर्णित किया, जो अस्त्र-शस्त्र के लिये बना हो, और जिस पर शूरवीरों के लिए हजार ढालें टँगी हुई हों।

श्रेष्ठगीत 4:5

स्त्री के प्रेमी ने उसकी दोनों छातियों का वर्णन कैसे किया?

उसने उसकी दोनों छातियों का वर्णन सोसन फूलों के बीच चर रही मृग के दो जुड़वे बच्चों के तुल्य किया।

श्रेष्ठगीत 4:6

जब तक दिन ठंडा न हो, और छाया लम्बी होते-होते मिट न जाए तब तक उसका प्रेमी कहाँ जाएगा?

उसने कहा कि वह गन्धरस के पहाड़ और लोबान की पहाड़ी पर जाएगा।

श्रेष्ठगीत 4:7

उसकी प्रिय किस प्रकार सुन्दर थी?

उसकी प्रिय सर्वांग सुन्दरी थी।

श्रेष्ठगीत 4:7 (#2)

उसकी प्रिय में क्या नहीं था?

उसकी प्रिय में कोई दोष नहीं था।

श्रेष्ठगीत 4:9

सुलैमान ने अपनी दुल्हन को क्या कहा?

सुलैमान ने उसे अपनी बहन कहा।

श्रेष्ठगीत 4:10

सुलैमान ने अपनी पत्नी के प्रेम को किस से उत्तम बताया?

सुलैमान ने कहा कि उसका प्रेम दाखमधु से उत्तम है।

श्रेष्ठगीत 4:10

उसके इत्र की सुगन्ध किससे उत्तम थी?

उसके इत्र की सुगन्ध सब प्रकार के मसालों से उत्तम थी।

श्रेष्ठगीत 4:11

उसने क्या कहा कि उसकी दुल्हन के होठों से क्या टपकता था और उसकी जीभ के नीचे क्या था?

उसने कहा कि उसकी दुल्हन के होंठों से मधु टपकता था और उनकी जीभ के नीचे मधु और दूध था।

श्रेष्ठगीत 4:11 (#2)

स्त्री के वस्त्रों की सुगन्ध कैसी थी?

उसके वस्त्रों की सुगन्ध लबानोन के समान थी।

श्रेष्ठगीत 4:12

सुलैमान ने अपनी बहन, अपनी दुल्हन, को किस प्रकार के बारीके और किस प्रकार के झरने के समान बताया?

सुलैमान ने कहा कि वह एक किवाड़ लगाई हुई बारीके और एक छाप लगाए हुए झरने के समान थी।

श्रेष्ठगीत 4:13–14

उसने स्त्री के अंकुरों की तुलना किससे की?

उसने उसके अंकुरों की तुलना उत्तम फलवाली अनार की बारी से की जिसमें उत्तम फल, पेड़ और सभी बेहतरीन मसाले लगे हुए थे।

श्रेष्ठगीत 4:15

सुलैमान अपनी प्रिय का वर्णन किस प्रकार के जल से करता है?

उसने उसे एक बारियों का सोता, फूटते हुए जल का कुआँ और लबानोन से बहती धाराओं के रूप में वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 4:16

युवती क्या चाहती थी कि उत्तर और दक्षिण की वायु किस पर बहें और क्यों?

वह चाहती थी कि उत्तर और दक्षिण की वायु उसकी बारी पर बहें ताकि उसकी मसाले अपनी सुगन्ध फैलाएँ।

श्रेष्ठगीत 4:16 (#2)

वह अपने प्रेमी से क्या चाहती थी कि वह क्या करे और क्या खाए?

वह चाहती थी कि उसका प्रेमी अपनी बारी में आए और उसके उत्तम-उत्तम फल खाए।

श्रेष्ठगीत 5:1

सुलैमान कहाँ आया था?

सुलैमान अपनी बारी में आया था।

श्रेष्ठगीत 5:2

सुलैमान की दुल्हन किसके बारे में स्वप्न देख रही थी?

वह अपने प्रेमी के खटखटाने और बोलने का सपना देख रही थी।

श्रेष्ठगीत 5:3

सुलैमान के प्रिय ने पहले ही क्या कर लिया था?

वह पहले ही अपना वस्त्र उतार चुकी थी और अपने पाँव धो चुकी थी।

श्रेष्ठगीत 5:4

सुलैमान ने अपना हाथ कहाँ डाला था?

सुलैमान ने अपना हाथ किवाड़ के छेद से भीतर डाला था।

श्रेष्ठगीत 5:5

जब दुल्हन ने द्वार खोला तो उसके हाथों से क्या टपक रहा था?

उसके हाथों से गन्धरस टपक रही थी।

श्रेष्ठगीत 5:6

जब दुल्हन ने द्वार खोला तो उसे क्या देखा और उसने कैसा महसूस किया?

उसने देखा कि उसका प्रेमी मुड़कर चला गया था, इसलिए उसका प्राण घबरा गया और वह उदास हो गई।

श्रेष्ठगीत 5:7

जब पहरेदारों ने सुलैमान की दुल्हन को पाया, तब उन्होंने क्या किया?

उन्होंने उसे मारा और घायल किया तथा उसकी चद्दर उससे छीन ली।

श्रेष्ठगीत 5:8

दुल्हन ने यरूशलेम की पुत्रियों से क्या शपथ धराई?

उसने यरूशलेम की पुत्रियों से शपथ धराई कि यदि वे उसके प्रेमी को पाएँ तो उससे कहें कि वह उसके प्रेम में रोगी है।

श्रेष्ठगीत 5:8 (#2)

युवती के प्रेमी ने उसे कैसा महसूस कराया?

युवती के प्रेमी ने उसे प्रेम में रोगी कर दिया।

श्रेष्ठगीत 5:9

युवतियों ने दुल्हन से क्या प्रश्न किया?

उन्होंने उससे पूछा कि उसका प्रेमी और प्रेमियों से किस बात में उत्तम है।

श्रेष्ठगीत 5:10

युवती ने अपने प्रेमी का वर्णन किस प्रकार किया?

उसने उसे गोरा और लाल सा और दस हजारों में उत्तम बताया।

श्रेष्ठगीत 5:11

स्त्री ने अपने प्रेमी के सिर और लटों का वर्णन किस प्रकार किया?

उसने उसके सिर को उत्तम कुन्दन और उसकी लटों को कौवों के समान काली वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 5:12

स्त्री ने अपने प्रेमी की आँखों का वर्णन किस प्रकार किया?

उसने उसकी आँखों को दूध में नहाकर आए कबूतरों के समान वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 5:13

सुलैमान की दुल्हन ने उसके गालों और होंठों का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके गालों को फूलों की फुलवारी और उसके होंठों को गन्धरस टपकते हुए सोसनों के समान बताया।

श्रेष्ठगीत 5:14

स्त्री ने अपने प्रेमी के हाथ और शरीर का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके हाथो को फीरोजा जड़े हुए सोने की छड़ों और उसके शरीर को नीलम के फूलों से जड़े हुए हाथी दाँत के समान वर्णन किया।

श्रेष्ठगीत 5:15

स्त्री ने अपने प्रेमी के पैरों और उसके रूप का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके पैरों को कुन्दन पर बैठाये हुए संगमरमर के खम्भे और उसके रूप को लेबानोन जैसे देवदार के वृक्षों के समान मनोहर बताया।

श्रेष्ठगीत 5:16

सुलैमान की दुल्हन ने अपने प्रेमी के मुख को और यरूशलेम की पुत्रियों के सामने सुलैमान को कैसे वर्णित किया?

उसने उसकी वाणी को अति मधुर बताया और कहा कि सुलैमान परम सुन्दर है।

श्रेष्ठगीत 6:1

यरूशलेम की पुत्रियाँ युवती से कौन से प्रश्न पूछती हैं?

वे उससे पूछती हैं कि उसका प्रेमी कहाँ गया है और किस दिशा की ओर चला गया है?

श्रेष्ठगीत 6:1 (#2)

सहेलियाँ किसे ढूँढ़ना चाहती थीं?

सहेलियाँ युवती के प्रेमी को ढूँढ़ना चाहती थीं।

श्रेष्ठगीत 6:2

युवती क्या कहती है कि उसका प्रेमी क्या कर रहा था?

युवती ने कहा कि उसका प्रेमी अपने बलसान की क्यारियों की ओर गया है ताकि वह बारी में अपनी भेड़-बकरियाँ चराए और सोसन फूल बटोरे।

श्रेष्ठगीत 6:3

वह युवती और उसका प्रेमी किसके थे?

वह युवती और उसका प्रेमी एक-दूसरे के थे।

श्रेष्ठगीत 6:3 (#2)

युवती का प्रेमी अपनी भेड़-बकरियाँ कहाँ चराता था?

युवती का प्रेमी अपनी भेड़-बकरियाँ सोसन फूलों के बीच चराता था।

श्रेष्ठगीत 6:4

उस स्त्री के प्रेमी ने उसे वर्णन करने के लिए किन दो नगरों का उपयोग किया?

उसने उसका वर्णन दो नगरों के रूप में किया, तिर्सा और यरूशलेम।

श्रेष्ठगीत 6:4 (#2)

उसके प्रेमी ने उसके बारे में कैसा महसूस किया?

उसे लगा कि वह पूरी तरह से सुन्दर और रूपवान थी, परन्तु साथ ही भयंकर भी।

श्रेष्ठगीत 6:5

स्त्री के प्रेमी ने क्यों चाहा कि वह अपनी आँखें उसकी ओर से फेर ले?

स्त्री के प्रेमी ने चाहा कि वह अपनी आँखें उसकी ओर से फेर ले क्योंकि वह उनसे घबराता था।

श्रेष्ठगीत 6:5 (#2)

स्त्री के प्रेमी ने उसके बालों का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके बालों को गिलाद की ढलान पर लेटी हुई बकरियों के झुण्ड के समान वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 6:6

उसके प्रेमी ने उसके दाँतों का वर्णन कैसे किया?

उसने उसके दाँतों को भेड़ों के झुण्ड के समान वर्णित किया, जिन्हें स्नान कराया गया हो, जिनमें से प्रत्येक जुड़वाँ बच्चे देती हैं और कोई भी गायब नहीं था।

श्रेष्ठगीत 6:7

उसके प्रेमी ने उसके कपोलों का वर्णन किस प्रकार किया?

उसके प्रेमी ने उसके कपोलों को लटों के नीचे अनार की फाँक के समान वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 6:8

स्त्री के प्रेमी ने क्या कहा कि और कितनी स्त्रियाँ थीं?

उसने कहा कि साठ रानियाँ और अस्सी रखैलियाँ और असंख्य कुमारियाँ थीं।

श्रेष्ठगीत 6:9

स्त्री के प्रेमी ने अपनी प्रिय का वर्णन कैसे किया?

स्त्री के प्रेमी ने उसे निर्मल, अद्वितीय, और अपनी माता की एकलौती, अपनी जननी की दुलारी के रूप में वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 6:9 (#2)

जब रानियों और रखैलों ने उसे देखा, तो उन्होंने उसके बारे में क्या कहा?

रानियों और रखैलों ने उसे धन्य कहा और उसकी प्रशंसा की।

श्रेष्ठगीत 6:10

स्त्री के प्रेमी ने उसे कैसे वर्णित किया?

स्त्री के प्रेमी ने उसकी तुलना भोर, चन्द्रमा और सूर्य से की और उसे पूरी तरह से भयंकर वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 6:11

स्त्री का प्रेमी अखरोट की बारी में क्यों गया?

स्त्री का प्रेमी अखरोट की बारी में गया ताकि देखे कि दाखलता में कलियाँ लगीं है या नहीं और अनारों के फूल खिले कि नहीं।

श्रेष्ठगीत 6:12

स्त्री के प्रेमी को कैसा अनुभव हुआ?

स्त्री के प्रेमी को ऐसा अनुभव हुआ मानो वह किसी राजकुमार के रथ पर सवार हो।

श्रेष्ठगीत 6:13

स्त्री के प्रेमी ने उससे क्या करने की इच्छा प्रकट की?

स्त्री के प्रेमी ने चाहा कि वह उसके पास वापस लौट आए।

श्रेष्ठगीत 6:13 (#2)

स्त्री के प्रेमी ने उससे अपनी ओर आने के लिए क्यों कहा?

स्त्री के प्रेमी ने चाहा कि वह उसकी ओर आए ताकि वह उस पर दृष्टि कर सके।

श्रेष्ठगीत 6:13 (#3)

युवती ने अपने प्रेमी से क्या प्रश्न किया?

युवती ने पूछा कि वह उसे ऐसे क्यों देखता है मानो मोहित हो गया हो (जैसा महनैम के नृत्य को देखते हैं)।

श्रेष्ठगीत 7:1

सुलैमान ने अपनी प्रेमिका के पाँव को उसके जूतियों में और उसकी जाँघों की गोलाई को कैसे वर्णित किया?

उसने उसके पाँव जूतियों में सुन्दर वर्णित किया और उनकी जाँघों की गोलाई को गहनों के सामान वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 7:2

सुलैमान ने अपनी प्रिय की नाभि और पेट का वर्णन किस प्रकार किया?

सुलैमान ने अपनी प्रिय की नाभि को एक गोल कटोरे के रूप में वर्णित किया जो मसाला मिले हुए दाखमधु से पूर्ण हो और उसके पेट को गेहूँ के ढेर के समान वर्णित किया जिसके चारों ओर सोसन फूल हों।

श्रेष्ठगीत 7:3

सुलैमान ने अपनी प्रिय के दोनों छातियों का वर्णन कैसे किया?

सुलैमान ने अपनी प्रिय के दोनों छातियों का वर्णन मृगनी के दो जुड़वे बच्चों के समान किया है ।

श्रेष्ठगीत 7:4

सुलैमान ने अपनी प्रेमिका के गले, आँखों और नाक का वर्णन कैसे किया?

सुलैमान ने उसके गले को हाथी दाँत की मीनार के रूप में , उसकी आँखों को कुण्डों की तरह, और उसकी नाक को लबानोन की मीनार की तरह वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 7:5

सुलैमान ने अपनी प्रेमिका के सिर और लटों का वर्णन किस प्रकार किया?

सुलैमान ने उसके सिर को कर्मेल के समान शोभायमान और उसकी लटों को बैंगनी रंग के वस्त्र के तुल्य वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 7:7

सुलैमान ने अपनी प्रेमिका के डील-डौल और उसकी छातियों का वर्णन कैसे किया?

उसने उसका डील-डौल खजूर के समान शानदार और उसकी छातियों को अंगूर के गुच्छों के समान वर्णित किया।

श्रेष्ठगीत 7:8

वह क्या चाहता था कि उसकी प्रेमिका की छातियाँ और उसकी श्वास किसके समान हों?

वह यह भी चाहता था कि उसकी प्रेमिका की छातियाँ अंगूर के गुच्छों के समान हों और उसकी श्वास का सुगन्ध सेबों के समान हो।

श्रेष्ठगीत 7:9

वह क्या चाहता था कि उसकी प्रेमिका का चुम्बन किसके समान हो?

वह चाहता था कि उसका चुम्बन उत्तम दाखमधु के समान हो।

श्रेष्ठगीत 7:10

युवती किसकी थी और उसका प्रेमी किसकी लालसा करता था?

युवती अपने प्रेमी की थी और उसका प्रेमी उसकी लालसा नित करता था।

श्रेष्ठगीत 7:11

युवती अपने प्रेमी को अपने साथ कहाँ ले जाना चाहती थी?

वह चाहती थी कि उसका प्रेमी खेतों में निकल जाएँ और रात को गाँवों में रहें।

श्रेष्ठगीत 7:12

वह क्यों चाहती थी कि उसका प्रिय सवेरे उठे?

वह चाहती थी कि वह सवेरे उठे ताकि देखें कि दाखलता में कलियाँ लगी हैं कि नहीं और अनार फूले हैं या नहीं।

श्रेष्ठगीत 7:12 (#2)

उसने क्या कहा कि जब वे दाख की बारियों में पहुँचेंगे तो वह अपने प्रेमी को क्या देगी?

उसने कहा कि वह उसे अपना प्रेम दिखाएगी।

श्रेष्ठगीत 7:13

उसने क्या कहा की दूदाफलों से क्या आ रही है?

उसने कहा कि दूदाफलों से सुगन्ध आ रही है।

श्रेष्ठगीत 7:13 (#2)

उसने क्या कहा कि उनके द्वारों पर क्या था?

उसने कहा कि उनके द्वारों पर सब भाँति के उत्तम फल हैं, नये और पुराने भी, जो उसने उसके लिये इकट्ठे कर रखे थे।

श्रेष्ठगीत 8:1

स्त्री ने अपने प्रेमी के लिए क्या इच्छाएँ व्यक्त कीं और क्यों?

वह चाहती थी कि वह उसके भाई जैसा हो ताकि वह अपने प्रेमी को कभी भी चूम सके और कोई उसकी निन्दा न करे।

श्रेष्ठगीत 8:2

स्त्री अपने प्रेमी को कहाँ ले जाना पसंद करती है?

वह उसे अपनी माँ के घर लाना पसंद करती।

श्रेष्ठगीत 8:3

उसके प्रेमी के बायाँ और दाहिना हाथ क्या करते?

उसका बायाँ हाथ उसके सिर के निचे था और दाहिना हाथ उसे आलिंगन कर रहा था।

श्रेष्ठगीत 8:4

वह स्त्री यरूशलेम की पुत्रियों को क्या शपथ धराती है?

वह स्त्री चाहती थी कि यरूशलेम की पुत्रियाँ यह शपथ ले कि वे उचित समय से पहले प्रेम को न जगाएँगी।

श्रेष्ठगीत 8:5

यरूशलेम की पुत्रियों ने क्या प्रश्न किया?

उन्होंने पूछा कि यह कौन है जो अपने प्रेमी पर टेक लगाए हुए जंगल से चली आती है।

श्रेष्ठगीत 8:5 (#2)

जब युवती ने अपने प्रेमी को सेब के पेड़ के नीचे जगाया, तो उसने उससे क्या कहा?

उसने उसे कहा कि उसकी माँ ने सेब के पेड़ के नीचे गर्भधारण किया था और उसे जन्म दिया था।

श्रेष्ठगीत 8:6

युवती अपने प्रेमी से क्या चाहती थी और क्यों?

वह चाहती थी कि वह उसे नगीने के समान अपने हृदय पर लगा ले, क्योंकि प्रेम मृत्यु के तुल्य सामर्थी है, और उसकी ज्वाला अग्नि की दमक है।

श्रेष्ठगीत 8:7

प्रेम को कौन नहीं बुझा सकता?

पानी की बाढ़ प्रेम की अग्नि को नहीं बुझा सकती।

श्रेष्ठगीत 8:8

स्त्री के भाइयों ने अपनी छोटी बहन के विषय में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि उसकी छातियाँ अभी नहीं उभरीं और वे सोच रहे थे कि जिस दिन उनकी बहन के ब्याह की बात लगे, उस दिन वे उसके लिये क्या करें।

श्रेष्ठगीत 8:9

यदि वह स्त्री एक शहरपनाह होती, तो उसके भाई क्या करते?

यदि वह एक शहरपनाह होती, तो वे उस पर चाँदी का कंगूरा बनाते।

श्रेष्ठगीत 8:9 (#2)

यदि वह स्त्री एक फाटक का किवाड़ होती, तो उसके भाई क्या करते?

यदि वह एक फाटक का किवाड़ होती, तो वे देवदार की लकड़ी के पटरे लगाते।

श्रेष्ठगीत 8:10

युवती ने स्वयं को कैसे वर्णित किया?

उसने खुद को एक शहरपनाह के रूप में वर्णित किया, जिसकी छातियाँ गुम्मट की तरह थी और पूरी तरह से परिपक्व थे।

श्रेष्ठगीत 8:11

युवती ने क्या कहा कि सुलैमान ने बाल्हामोन में अपनी दाख की बारी के साथ क्या किया था?

सुलैमान ने अपनी दाख की बारी को रखवालों को सौंप दिया जो उसकी देखभाल करेंगे।

श्रेष्ठगीत 8:12

युवती अपनी दाख की बारी और रखवालों के बारे में क्या कहती हैं?

उसने कहा कि इसके द्वारा लाए गए हजार शेकेल सुलैमान के थे और जो लोग इसकी रखवाली करते थे, उन्हें दो सौ शेकेल मिलेंगे।

श्रेष्ठगीत 8:13

स्त्री के प्रेमी ने उससे, जो बारियों में रहती थी, क्या कहा कि उसके मित्र और वह स्वयं क्या सुनना चाहते थे?

उसने कहा कि उसके मित्र और वह स्वयं उसका बोल सुनना चाहते थे।

श्रेष्ठगीत 8:14

युवती चाहती थी कि उसका प्रेमी क्या करें और कैसा हो?

वह चाहती थी कि उसका प्रेमी शीघ्रता करे और जवान हिरन के समान बन जाए।